केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

[संसदः अधिनियमेन स्थापितः]

॥ भारतीयभाषाविद्याशाखा ॥

अर्चना दुबे

भारतीयभाषाविद्याशाखासंयोजिका - *प्रो. अर्चना दुबे*

दिनांक : 21.05.2024

अर्चना दुबे

हस्ताक्षर

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

डोगरी

शास्त्री : चतुर्थ-सत्रार्द्ध

GE – 4

(डोगरी भाशा ते लिपि :)

क्र.	पाठ्यक्रमविवरण	क्रेडिट	घण्टे
1	1. भाशा दा अर्थ ते परिभाशा 2. भाशा दी विशेशता ते म्हत्व 3. भाशा दे रूप 4. भाशा, उपभाशा, बोल्ली, वाणी --संखेप चर्चा	1	16-20
2	1. भारतीय आर्य भाशा-डोगरी -संखेप परिचे 2. डोगरी भाशा दी उत्पति -संखेप परिचे 3. डोगरी भाशा दा खेतर -संखेप परिचे 4. डोगरी भाशा दा विकास - संखेप परिचे	1	16-20
3	1. भाशा दियां विशेशता -संखेप परिचे 2. डोगरी भाशा दियां ध्वनिगत विशेशतां -इक परिचे 3. मात्रा, बलाघात, सुर बारै -इक परिचे 4. अनुनासिकता, विवृति बारे -इक परिचे	1	16-20
4	लिपि-विचार 1. डोगरी लिपि-जन्म ते विकास 2. देवनागरी लिपि ते डोगरी भाशा 3. डोगरा अक्खर लिपि-इक परिचे 4. डोगरी दे सुरात्मक ते बहुध्वनि वर्ण	1	16-20

अर्चना दुबे

भारतीयभाषाविद्याशाखासंयोजिका - *प्रो. अर्चना दुबे*

दिनांक : 21.05.2024

अर्चना दुबे
हस्ताक्षर

सहायक कतांबां-

1. डोगरी व्याकरण- डॉ वीणा गुप्ता-जे. एण्ड के अकैडमी ऑफ आर्ट कल्चर एण्ड लैग्वेजिज़
2. डोगरी निकास ते विकास-डॉ बालकृष्ण शास्त्री-पोस्ट ग्रैजुएट डोगरी डिपार्टमेंण्ट जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
3. डोगरी शोध-पोस्ट ग्रैजुएट डोगरी डिपार्टमैण्ट जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू,
4. भाशा ते लिपि-डॉ.नरसिंह दास ते सुनीता भड़वाल
5. डुग्गरः भूमी, भाशा ते साहित्य-संपादक-रूप कृष्णभट ते कमल किशोर

अर्चना दुबे

भारतीयभाषाविद्याशाखासंयोजिका - *प्रो. अर्चना दुबे*

दिनांक : 21.05.2024

अर्चना दुबे
हस्ताक्षर